3. रचनात्मक सोच की छलांग

आईएमपी संस्थान के परिसर के निर्माण कार्य के द्वितीय चरण में इतना देरी हो रही थी कि केवल 15 महीनों में पूरा होने वाली परियोजना में 24 महीनों में केवल 40% प्रगति हुई थी। परिसर निर्माण के दूसरे चरण में अन्य इमारतों के अलावा 50 लोगो की क्षमता वाला कर्मचारी डाइनिंग हॉल भी शामिल था।

तभी एक नए निदेशक संस्थान में नियुक्त हुए। उन्होंने महसूस किया कि 50 सीट वाला डाइनिंग हॉल एक बढ़ते संस्थान के लिए बहुत अपर्याप्त साबित होगा। यह छात्रों के कैंटीन में (जो एक स्टॉप गैप व्यवस्था के रूप में स्टाफ डाइनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था) दोपहर के भोजन के समय की भीड़ देख कर समझा जा सकता था। प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के लिए कोई भोजन सुविधा नहीं थी। छात्रावास, भोजनकक्ष और प्रशिक्षण कक्ष सुविधा ना होने के कारण बहुत कम प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हो रहे थे ।

निदेशक ने आर्किटेक्ट्स से प्रस्तावित ५० सीट वाले स्टाफ डाइनिंग हॉल की क्षमता 100 सीट तक बढ़ाने के लिए कहा, जिसे आर्किटेक्ट्स ने मना कर दिया क्योंकि परिसर में इसके लिए इतनी जमीन उपलब्ध नहीं थी।परिसर दो छोटी पहाड़ियों में फैला हुआ था और पहाड़ी को अवांछित रूप से काटने से भूस्खलन हो सकता था।कुछ इमारतें पहले ही भूस्खलनका सामना कर रहीं थी।

उन्होंने इस मामले पर कुछ सप्ताह तक विचार किया। एक रात जब वह सो रहे थे तो उनको विचार आया कि आर्किटेक्ट्स डाइनिंग हॉल के लिए ज़मीन की बात सिर्फ X और Yअक्ष में ही व्यक्त कर रहे हैं। क्या उन्होंने ज्यामिति के Z अक्ष के बारे में भी सोचा और उस हिसाब से निर्माणका अध्ययन किया? एक औरविचार दिमाग में कौंधा कि 100 सीटों वाले डाइनिंग हॉल का निर्माण किया जाए जिसे २०० सीट तक बढ़ाया जा सके। उन्होंने आर्किटेक्ट्स को ऐसा डिज़ाइन करने के लिए सुझाव दिया। आर्किटेक्ट्सके पूंछने पर उन्होंने सुझाव दिया कि सड़क के दोनों ओर खम्भे डाल कर उसके ऊपर स्लैब डाला जाए और उस पर १०० सीट वाला डाइनिंग हॉल बनाया जाये। एक और मंजिल बनाकर उसका 200 सीट तक विस्तार किया जा सकता है। इसके लिए पहाड़ी का और कटाव करने की आवश्यकता नहीं थी।

आर्किटेक्ट्स ने इसका नया डिजाइन तैयार किया। तभी निदेशक ने अनुरोध किया कि 200 सीटों वाला डाइनिंग हॉल बनाया जाए जिसे ४०० सीट कि क्षमता तक विस्तार किया जा सके।आर्किटेक्ट्स ने एक नया डिजाइन बनाया, जिसमे हर मंज़िलपर 150 लोगआराम से बैठ सकते थे ।प्रत्येक मंजिल पर 15-20 सीटों वाला एक वीआईपी भोजन कक्ष भी शामिल था। इसमें प्रत्येक मंजिल पर एक सेवा क्षेत्र भी था, जिसमे 15-20 और सीटों को समायोजित कर सकता था। सड़क के घाटी के किनारों की तरफ के खंभे इतने चौड़े थेकि हर मंज़िल पर एक कमरा बनाया जा सके, जो 20-25 लोगों के संगोष्ठी के लिए इस्तेमाल किया सके। उसे छोटे प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के लिए कमरे या अतिरिक्त डाइनिंग रूम के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता था। इस प्रकार कुल क्षमता को लगभग 400 सीट हो गयी थी।

केरल में बारिश भारी होती है और पानी के संचय से बचने के लिए छत को ढकना आवश्यक हो गया था। इसके लिए बहुत ही मजबूत एल्यूमीनियम शीट पूरी छत को कवर करने के लिए लगानी पड़ी। छत से विहंगम दृश्य दिखता था जो आगंतुकोंको बहुत आकर्षित करता था। वहां बैठकर भोजन करने का आनंद एक अलग आकर्षण बन सकता था। परन्तु अरब सागर से उठती तेज हवाओं से बचने के लिए छत पर लगे छत के आसपास के लोहे के रेलिंग सुरक्षा के लिए अपर्याप्त लग रहे थे। इसलिए दरवाजों और खिड़कियों के साथ दीवारों का निर्माण करना आवश्यक हो गया। इन बदलाओं से शीर्ष मंजिल भी एक बड़े डाइनिंग हॉल में परिवर्तित हो गयी, जिसे सम्मेलनों के प्रयोजन के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता था। इस प्रकार कर्मचारी डाइनिंग हॉल की कुल बैठने की क्षमता लगभग 600 तक हो गयी (जो कि बुफे व्यवस्था में और भी अधिक हो सकती है)।

50 सीटर स्टाफ़ के डाइनिंग हॉल की प्रारंभिक क्षमता इस प्रकार लगभग10 गुना बढ़ गई। डाइनिंग हॉल की अंतिम (वास्तविक) लागत 2002 की अनुमानित लागत 60 लाख रुपये से बढ़करकेवल 160 लाख रुपये हुई। लेकिन यह प्रभावशाली तीन मंज़िला डाइनिंग हॉल न केवल बढ़ती हुई शैक्षिक गतिविधियों (जिसमे 2009 तक लगभग तीन गुना वृद्धि हुई) के अनुसार कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा कर सकता था (वह भी केवल एक मंज़िल पर), बल्कि (नई आवासीय सुविधाओं की स्थापना के बाद) अगले 7-8 साल तक के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के प्रतिभागियों की आवश्यकताएँ भी पूरी कर सकता था (पहली मंज़िल पर)। तीसरी मंज़िल सम्मेलनों की आवश्यकताएं पूरी कर सकती थी, जिनकी संख्या भी बढ़ रही थी।

क्या रचनात्मक सोच ने क्षमता को बढ़ा दिया गया था जबकि भूमि की बाधाएं मुँह बाएँ सामने कड़ी थी? क्या प्रोजेक्ट पूर्ण होने में देरी वास्तव में वरदान है? क्या बाधाएं वास्तवमें बढ़ने का एक अवसर हैं? आर्किटेक्ट्स द्वारा रचनात्मक डिजाइनों के जरिए क्षमता में कितनी वृद्धि की जा सकती है, अगर कोई उन्हें अनुरोध करे तो? ये प्रश्न रणनीतिकार के रूप में विचार करने योग्य हैं।

इनके और उदाहरण Is Small Beautiful (C), (D) और (E)? में देखने को मिल सकते हैं.